

Coronavirus CivActs Campaign (CCC) सँ सरकार, सञ्चार माध्यम, संघसंस्था आ आम नागरिक बिचक सूचनाके दुरी कम कएक देशभैरसं संकलन कएल गेल हल्ला, नागरिकक जिज्ञासा आ प्रश्नसभ संकलन कए तथ्य पता लगाएक आम नागरिकके सूचित करैत अछि । एहिसं आम नागरिकक आवश्यकताके पहिचान करवाक साथे हल्लासभक कोनो नकारात्मक असर पहुँचावस पहिलेहि सान्दर्भिक तथ्य आम नागरिक सभमे प्रवाह कए जोखिम न्यूनिकरण करैत अछि ।

कर्णालीमे कोरोना रोकथाम तथा नियन्त्रणके लेल विनियोजित बजेट फ्रिज

जम्मा छुट्याओल गेल रकम
रु. ३०,५९,१५,०००



खर्च भेल रकम
रु. २३,५५,५४,५५०



फ्रिज भेल रकम
रु. ७,३६,००,४५०

कोन अस्पतालके कते रकम फ्रिज ?

प्रदेश अस्पताल सुर्खेत	रु. ३,४३,०१,६२५	जाजरकोट	रु. २३,७१,६००
स्वास्थ्य सेवा निर्देशनालय	रु. ८२,५१,९००	कालिकोट	रु. ११,५०,८००
त्यस्तै सामाजिक विकास मन्त्रालय	रु. ८,३५,०००	हुम्ला	रु. १४,८१,०००
दैलेख	रु. १०,४२,२५०	मुगु	रु. १२,९६,३००
जनस्वास्थ्य कार्यालय सुर्खेत	रु. ४६,९९,८००	डोल्पा	रु. १०,२३,०००
सल्यान	रु. १७,४२,३००	मेहलकुना अस्पताल	रु. १३,१५,०००
रुकुमपश्चिम	रु. ११,१७,०००	प्रदेश आयुर्वेद औषधघालय	रु. ६०,४८,०००

कोरोना अस्पतालके रूपमे तोकल गेल कर्णाली स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान, जुम्ला आ चौरजहारी अस्पताल रुकुम पश्चिम शतप्रतिशत बजेट खर्च क चुकल अछि ।

स्रोत: कर्णाली प्रदेश सामाजिक विकास मन्त्रालय

नेपाल अपडेट



काठ्के सिमाना साँगामे उपत्यका प्रवेश करवालासभ स्वाव संकलनके लेल लाइनमे बैसल
तस्बिर: केशवराज पौडेल

परिक्षण

पिसिआर परिक्षण: ३,९८,९०७

पोजेटिभ: २०,७५०

उपचाररत: ५,७३२

मृत्यु: ५७

नेपाल



Source: <https://covid19.mohp.gov.np/#/>

हल्ला र तथ्य



सरकारद्वारा जिल्ला प्रशासन कार्यालयसभके आरो जिलासँ काठमाण्डौ उपत्यका प्रवेश कर आवागमन पास नै देब कहने छै ?

देशके अनेक जगहसँ काठमाण्डौ उपत्यका प्रवेश कर यात्रुके चेकजाँच करलापर बेसी मात्रामे यात्रुमे कोभिड - १९ पोजेटिव भेटला सँ दोसर आदेश नै भेलातक अत्यावश्यक सेवा आ ढुवानी बाहेक प्रत्येक दिन साँझ ७:०० बजे सँ भोर ७:०० बजेतक उपत्यका प्रवेश नाकामे यात्रुसभके आवागमन पूर्णरूपमे बन्द कर कहने छै । अईके लेल काठमाण्डौ उपत्यका बाहेकके जिल्ला प्रशासन कार्यालयसभके अत्यावश्यक काजके अतिरिक्त अन्तर जिल्ला पास जारी नै कर गृह मन्त्रालय आग्रह केने छै ।

स्रोत: <https://www.moha.gov.np/post/pa-ra-sa-va-ja-niapa-ta-118>



विद्यालय परिसरमे भेल सब क्वारेन्टाईन तथा आईसोलेशन बन्द भेलै कहादन त ।

विद्यालय भवन तथा परिसरमे क्वारेन्टाईन आ आईसोलेशन सम्बन्धी काजसभ सञ्चालन नै कर । क्वारेन्टाईन तथा आईसोलेशनके रूपमे प्रयोग होब छोड्ने विद्यालय भवनके निर्धारित मापदण्ड अनुसार स्थानीय तहद्वारा निर्मलीकरण कल अद्ययन अद्यापन कर योग्य बनाएब । तहिना कल, विद्यालय आ विद्यालय परिसर भितर तथा विद्यार्थी आवागमनमे प्रतिकूल असर परे तेना या विद्यालय क्षेत्रके निकट होई तेना कलक कोभिड - १९ रोकथाम आ नियन्त्रण

स्रोत: <https://mocit.gov.np/categorydetail/shrawan-15-2077-cabinet>



सरकार परीक्षणके दायरा बढाब नयाँ मापदण्ड बनेलक कहैत अछि । आब केकर केकर कोभिड - १९ के परीक्षण हैतै ?

त्रयाब सँ, लक्षण देखाएल सब बिमारीसभ, कोभिड- १९ के पुष्टि भेल केससभके सम्पर्कसभ, तीव्र श्वासप्रश्वासके बिमारी, विदेश सँ फिर्ता आएल सब आदमीसभ, अग्रपंक्तिमे खईटक काम करवला सब स्वास्थ्यकर्मी आ आरो कर्मचारीसभ, अन्तिम १४ दिन भितर कोभिड - १९ के संक्रमण फैलल क्षेत्रमे भ्रमण केने आदमीसभ, सघन उपचार कक्षमे भेल सब बिमारीसभ, विशेष कलक ६० वर्ष उपरके दीर्घ रोगी तथा रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता कम भेल आदमीसभ, क्लिनिकल निर्णयमे आधारित प्रिअपरेटिव केससभ आ डिस्चार्ज भेल कोभिड - १९ के मध्यम आ गम्भीर प्रकृतिके केससभके परीक्षणके दायरामे लाबके स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय जनौलक अछि । डिस्चार्ज भेल एसेम्प्टोमेटिक आ हल्का केससभके सन्दर्भमे परीक्षण जरुरत नै परत कहने छै ।

स्रोत: https://drive.google.com/file/d/1dalK3C9ECgiKpztEwfQ_5aCRpblJQqLR/view



विदेश जाय चाहवला सभ पिसिआर परीक्षण कत करेतै ? सरकारद्वारा तय कएल गेल परीक्षणके दायरामे ओसभ नै परैत छैथ ।

विदेश जायके प्रयोजन तथा अपनाखुसी परीक्षण कराब चाहवलाके लेल निर्धारित सरकारी तथा निजी अस्पतालके सरकार अनुमति दचुकल अछि । जैके लेल सरकारद्वारा बनाओल गेल मापदण्ड अनुसार तोकल गेल शुल्क सम्बन्धित स्वास्थ्य संस्थाके बुझाब परैत अछि ।

स्रोत: <https://cutt.ly/bdvpC90>

WhatsApp मार्फत हमरासभके विषयमे नियमित ताजा जानकारी पाब

- आहाके कन्ट्याक्ट लिस्टमे +2760806146 एड करू
- उपरका कन्ट्याक्ट नम्बरमे Nepal लिख्क म्यासेज पठाउ



COVID-19

को बारेमा बुझ्न निःशुल्क हटलाईन

viamo द्वारा प्रस्तुत

कोभिड - १९ सम्बन्धि मंगानियेमे जानकारी लेबके लेल आहाके NTC सिमकार्ड सँ

32900 मे डायल करू

Open Migration

मुख्य गन्तव्य राष्ट्रमा रहेका नेपाली कामदार

साउदी अरब	कुवेत	बह्राईन	कतार	युएई	ओमान	मलेसिया	दक्षिण कोरिया
३,३४,४५१ नेपाली	७१,१२३ नेपाली	२६,००० नेपाली	४,०६,२१७ नेपाली	२,२४,२०५ नेपाली	१७,०५७ नेपाली	५,००,००० नेपाली	३८,८६२ नेपाली
२,७८,८३५ संक्रमित	६७,२११ संक्रमित	४१,५३६ संक्रमित	१,११,१०७ संक्रमित	६०,२२२ संक्रमित	७२,१५२ ४५ नेपाली संक्रमित	८,२२२	१४,३८२ संक्रमित
१,७५० नेपाली संक्रमित	१५०० नेपाली संक्रमित	४५१ नेपाली संक्रमित	२०,६०० नेपाली संक्रमित	२००० नेपाली संक्रमित	१ मृत्यु भएका नेपाली	८१ नेपाली संक्रमित	
२ मृत्यु भएका नेपाली	७ मृत्यु भएका नेपाली	३ मृत्यु भएका नेपाली	१६ मृत्यु भएका नेपाली	३० मृत्यु भएका नेपाली			

●	गन्तव्य राष्ट्रमा संक्रमित नेपाली
●	गन्तव्य राष्ट्रमा नेपाली जनसंख्या
●	गन्तव्य राष्ट्रमा संक्रमित जनसंख्या
●	गन्तव्य राष्ट्रमा मृत्यु भएका नेपाली



स्रोत: <https://coronavirus.jhu.edu/map.html>
<https://www.covid19.nraa.org.np/>
https://publications.iom.int/system/files/pdf/mp_nepal_2019.pdf

ShramikSanjal

कुवेत प्रवेशमा ३२ देशक नागरिकके रोक

नेपाल आ आरो ३१ टा देशके नागरिकसभके तत्कालके लेल सम्बन्धित मुलुकसँ कुवेत आवागमनमे निषेध कएल गेल छै । लेकिन, निषेध कएल गेल देशके नागरिक निषेध नै कएल गेल देशमे १४ टा मे रहलापर कुवेत प्रवेश क पाओत ।

कुवेत सरकारद्वारा उडान निषेध कएल गेल देशसभ

- | | | |
|--------------|-----------------|-----------------------|
| १. भारत | १२. ईराक | २३. हंकङ |
| २. इरान | १३. सिसिया | २४. नर्थन इटाली |
| ३. चिन | १४. लेवनान | २५. म्यासोडोनिया |
| ४. ब्राजिल | १५. स्पेन | २६. माल्दोभा |
| ५. कोलम्बिया | १६. सिंगापुर | २७. पानामा |
| ६. अर्मानिया | १७. बोस्निया | २८. पेरु |
| ७. बंगलादेश | १८. हर्जगोभिना | २९. सर्बिया |
| ८. फिलिपिन्स | १९. मेक्सिको | ३०. मोन्टेनेग्रो |
| ९. इजिप्ट | २०. इन्डोनेसिया | ३१. डोमेनिकन रिपब्लिक |
| १०. श्रीलंका | २१. चिली | ३२. कोसोभो |
| ११. नेपाल | २२. पाकिस्तान | |



\$ फलो द मनी - खर्चको अर्थ

जम्मा

संघिय सरकार

खर्च

तिन पटक गरेर नेपाल सरकार अर्थ मन्त्रालय मार्फत छुट्याईएको करिब **१ अर्व ४८ करोड**

कोरोना भाईरस जोखिम नियन्त्रण, रोकथाम तथा नियन्त्रण कोषमा जम्मा करिब **२ अर्व २६ करोड**

दाता ए.डि.बि. करिब **३० अर्व ३३ करोड**
विश्व बैंक करिब **३ करोड ४८ लाख**
आई.एम.एफ. करिब **१५ अर्व ८८ करोड**
युरोपियन युनियन करिब **९ अर्व ९४ करोड**

कोरोना भाईरस विरुद्धका गतिविधिमा नेपाल सरकारले गरेको खर्च स्वास्थ्य मन्त्रालयलाई निकासी

करिब **४ अर्व १० करोड**

रक्षा मन्त्रालय मार्फत कोरोना रोकथाम र नियन्त्रणका लागि चाहिने स्वास्थ्य उपकरण खरिदको लागि

२ अर्व ३४ करोड निकासी

प्रदेश सरकार

प्रदेश	प्रदेश १	प्रदेश २	बागमती प्रदेश	गण्डकी प्रदेश	प्रदेश ५	कर्णाली प्रदेश	सुदूरपश्चिम प्रदेश
जम्मा रकम	करिब २९.४ करोड	करिब २६.६ करोड	करिब ४२.९ करोड	करिब १८.३ करोड	करिब १५.६ करोड	करिब २५.४ करोड	करिब ४२.५ करोड
खर्च गरिएको रकम	करिब १९.३ करोड	करिब १३.३ करोड	करिब १३.६ करोड	करिब १५.४ करोड	करिब ७.७९ करोड	करिब २३.९ करोड	करिब ३६.४ करोड

आ.व. २०७५/७६ मे गण्डकी प्रदेशके बेरुजुके अवस्था

जम्मा लेखा परीक्षण भेल रकमक **६.८८%**

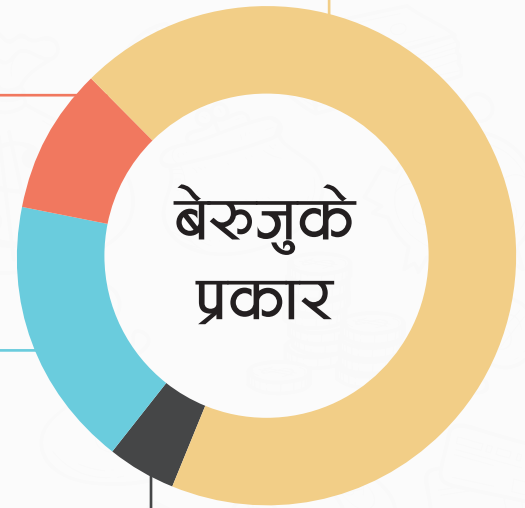
बेरुजु खर्च रु. १,६४,४६,७३,०००

पेशकी ६८.३७%

नियमित करपरवला ९.५७%

प्रमाण काजागत पेश नै भेल १७.५२%

असुलउपर करपरवला ४.५५%



जम्मा लेखा परीक्षण कएल गेल रकम

२३.९ अर्व

जम्मा लेखा परीक्षण कएल गेल कार्यालय

१४९

बेरुजु देखाएल कार्यालय

९५

₹ फलो द मनी - खर्चको अर्थ

आर्थिक वर्ष २०७५/७६ मे गाण्डकी प्रदेशके खर्च बेरुजु देखाएल मन्त्रालयके तुलनात्मक अध्ययन

भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय	रु. १,४५,६९,५५,०००
सामाजिक विकास मन्त्रालय	रु. ५,७२,७२,०००
भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय	रु. ७,३७,२३,०००
उद्योग, प्रयटन, बन तथा वातावरण मन्त्रालय	रु. ५,२६,५०,०००
आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय	रु. २७,४३,०००
आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय	रु. १४,०२,०००
मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषदको कार्यालय	०
प्रदेश सभाको सचिवालय	०
महान्यायाधिवक्ताको कार्यालय	०

कर्णाली प्रदेशमे जम्मा १ अर्ब ६० करोड खर्च बेरुजु देखाईत अछि । जेकि ओकर जम्मा लेखा परीक्षण भेल रकमके ६.८८% छै । करिब ६४% (१४९ मे सँ ९५) कार्यालयसभमे खर्च बेरुजु भेल देखाईत अछि । गाण्डकी प्रदेशमे ६८% सँ बेसी बेरुजु पेशकी लेलाके कारण सँ भेल छै । एकर मतलब खर्च आर्थिक वर्षके अन्त्यमे भेल छै, जै के कारण नियम अनुसार हिसाब मिलान कर असमर्थ भेल देखाईत अछि ।

प्रदेशके प्राय जेना मन्त्रालय आ कार्यालयसभमे कम बेरुजु देखेनाई बढिया बात छै । लेकिन भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालयमे १ अर्ब ४० करोड बेरुजु देखाईत छै । अई सँ ओई मन्त्रालयमे मात्रे जम्मा बेरुजुके ८८% बेरुजु देखेनाई चिन्ताके विषय छै । भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालयमे बडेका बजेट रहल आ ओही मन्त्रालयके बजेट व्यवस्थापन बढिया सँ नै भेला सँ, ओत बहुते विकासके काज रोकाएल देखाईत छै । एना देखला सँ, प्रदेश सरकारद्वारा बजेट विनियोजनमे पर्याप्त ध्यान देब परत से देखाईत छै ।

नोट: हमरासभके उद्देश्य सरकारद्वारा कयल गेल बढिया काज आ छुट्याओल गेल बजेटके विषयमे सबके जानकारी होई आ तेकरबाद अई विषयमे नागरिक आ आरो सरोकारवालाके बीचमे बातचित भलक सरकारके पर्याप्त पृष्ठपोषण प्राप्त होई से अछि । एत प्रस्तुत विवरण पूर्ण नै छै । उपलब्ध माध्यमसँ संग्रह कलक राखल गेल अछि । आरो सही तथ्यांक संकलन कलक परिमार्जन करैत जायब । अईमे सबकोईके सहयोग क देब लेल आग्रह करैत छी ।



फ्रन्टलाइनर्स भोईसेस



डा. सुरेश मेहता

प्रमुख, सामाजिक विकास महाशाखा, प्रदेश नं. १

"समग्र नेपालके आ प्रदेश नं. १ के तुलना करबै त, नेपाल भैर लगभग १९ टा परीक्षण केलापर एक कोईमे संक्रमण पुष्टि भेल छै त, प्रदेश नं. १ मे जम्मा ४८ परीक्षणमे एककोईमे संक्रमण पुष्टि भेल छै । अई सँ परीक्षणमे प्रदेश नं. १ समग्र नेपाल सँ आगु छै से देखाबैत छै । कोरोना काईल्हे जेतै सेहो नै छै । तै सँ देशके श्रोतके मितव्ययी रुपमे प्रयोग केनाई सेहो आजुक जरुरत छै । परीक्षणके दायरा त अवश्य बढाब परतै, लेकिन वैज्ञानिक तवरसँ परीक्षणके दायरा बढाब आ ओ सन्देश बाहर लल जेनाई सेहो ओतबे महत्वपूर्ण छै ।"

डा. सुर्य पराजुली

जनस्वास्थ्य विज्ञ तथा सामाजिक अभियन्ता

"सरकार लकडाउन करैत छै, संक्रमण घटल जेहन देखाईत छै । लकडाउन खोलतै त फेरो बढतै । संक्रमणके ई प्रकृया चलैत रहतै । एकटा एहन समय एतै, बहुते आदमीसभ संक्रमित भल चुकल रहतै । अईके लेल व्यवहारमे परिवर्तन केनाई जरुरी छै । मास्क प्रयोग केलकै कि नई से बात महत्वपूर्ण नै छै, मास्क बढिया सँ प्रयोग केलकै कि नई, से महत्वपूर्ण छै । दोसर बात, चिकित्सा क्षेत्रमे चिकित्सक या स्वास्थ्य के मतलब एकटा अस्पताल सोचैछलौ, लेकिन ऊ १० प्रतिशत मात्रे छै । ९० प्रतिशत ओई सँ बाहर आब परैत छै । से बात अखन कोरोना चरितार्थ कल देने अछि ।"



मुकुन्द बस्नेत

स्वास्थ्य शाखा प्रमुख, अर्जुनधारा नगरपालिका, काठमाडौं

"शुरुमे एकरा युद्ध जेना मानल गेल । युद्धमे त बन्दुक चलतै आ बचब से भ सकैय । अईमे त किम्हर सँ चलत सेहो पता नै छै, कत छुवेतै, सेहो नै बुझल छै । त्रासेत्रासमे काज केलौ । ई फैलत केना तहिमे दुविधा छलै । सब सँ बेसी भात आ आरो जिलासँ आएलके क्वारेन्टाईनमे राखमे ध्यान देलौ । अई सँ किछ हदतक संक्रमण नियन्त्रणमे एलै । लेकिन अखन फेरो हमरासभके नगरपालिकामे समुदाय स्तरमे संक्रमण फैलचुकल छै । ५ दिनके लेल आवागमन निषेध कएलगेल छै । काईल्ह कि हेतै देखनाई बाकीए छै ।"

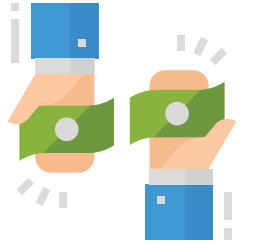
रेमिट्यान्समे कोभिड - १९ के असर

जखन एकटा अज्ञात भाईरस चीनके वुहान प्रान्तमे आदमीसभके बिमार बनाब लगलै, तखन आबवला महिनासभमे ई बइका महामारीके रुपमे फैलतै कहिक विश्व कल्पना समेत नै केने छलै । जेना चीनके एकटा प्रान्त सँ शुरुभेल महामारी द्रुत गतिमे विश्वके देशसभमे फैललै, अई सँ पहिले एना कहियो नै भेल छलै । देशसभ ओकरसभके सीमा(नाका बन्द केलक, अन्तरराष्ट्रिय उडानसभ ठप्प भेल, सार्वजनिक आवागमनके प्रतिबा(न्धत कलक आदमीसभके घरे भितर रहैला कहल गेल आ अई संगे विश्व अर्थतन्त्रमे बइका मन्दी एलै । नेपाल चीनके पड़ोसी देश भेलासँ सेहो अई बातसभ सँ अछुता नै रह सकत ।



नेपाल सेहो कोरोना भाईरस रोकथाम तथा नियन्त्रणके लेल बहुते उपायके अवलम्बन केलक । लेकिन, एकर बइका असर श्रम क्षेत्रप परलै । विशेष कलक वैदेशिक रोजगारीके क्षेत्र पूर्णरूपमे धरासयी भगेलै । रोजगारी गुमाओल आ संक्रमणके डर भेल तैपर एकतर्फी सभकौता रद्द कएलगेल आ पारिश्रमिक नै पाईबक दशौं हजार श्रमिकके सामने घर फिर्ता आबके विकल्प नै छलै । रेमिट्यान्सपर निर्भर नेपाल जेहन देशसभके ई महामारी बइका प्रभाव पार्ने छै ।

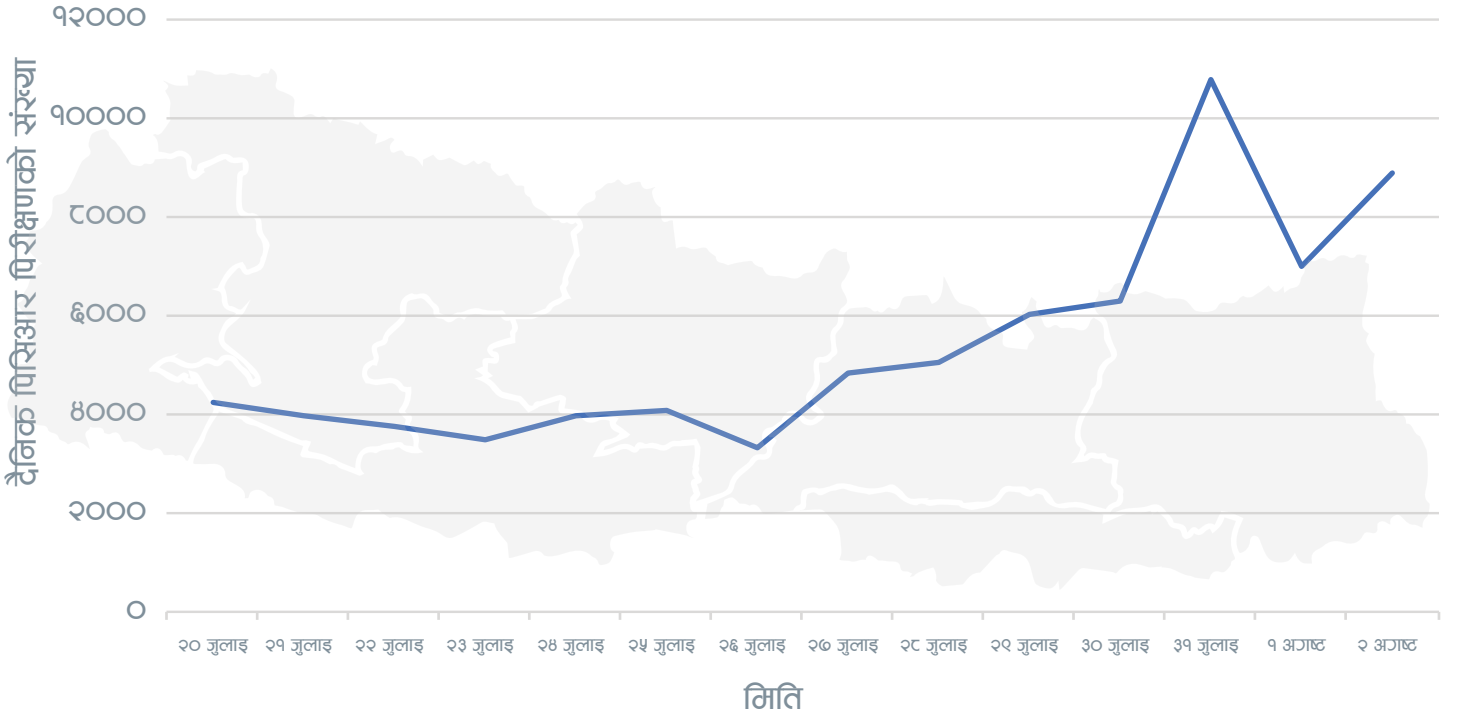
श्रममे रोक आ तेकरबाद महंगा चार्टर विमानके भाडा तिरक खाली हाथ घर फिर्ता आब परल श्रमिकके लेल राज्यके सहयोग नगन्य छलै । रेमिट्यान्समे निर्भर देशके अर्थतन्त्रमे बइका प्रभाव पार्ने छै । रेमिट्यान्स एकमात्रे सबसँ बइका विदेशी विनिमयके श्रोत छै, जे कि जरूरतके सामान आ सेवाके आयातके लेल जरुरी होईत छै । सन् २०१८ के आँकडा देखबै त, नेपाल बहुते रेमिट्यान्स भित्खाबवला विश्वके १९ सभ देश छै । तहिना विदेशसँ श्रमिकके पठाएल रकम सँ देशके कुल गार्हस्थ उत्पादनमे २५ प्रतिशत योगदान पुगबैत अछि । विश्व बैंकके प्रारम्भिक प्रक्षेपणके आधार मानबै त, सन् २०२० मे नेपाल आबवला रेमिट्यान्समे १४ प्रतिशत सँ गिरावट एतै । नेपाल राष्ट्र बैंक सेहो वितलाहा चैत्र महिनामे एहने रेमिट्यान्स गुमाबवला चित्र बाहर अनने छलै ।



नेपाल राष्ट्र बैंकके तथ्यांक अनुसार, नेपाल चैत्र महिनामे ३४ अर्ब ५० करोड रेमिट्यान्स अनलक । जे कि आर्थिक वर्ष २०१८/१९ के ओही महिनामे आएल रेमिट्यान्स रकम ७१ अर्ब सँ करिब ५० प्रतिशतसँ कम छै । यद्यपि बैशाख महिनामे ५३ अर्ब ९० करोड रेमिसट्यान्स एला सँ अवस्थामे किछ सुधार देखेलै । एना देखला सँ देशमे आबवला रेमिट्यान्समे कोभिड - १९ सँ बइका असर परल छै । घटैत रेमिट्यान्ससँ देशके अर्थतन्त्रमे मात्रे असर नै पारै छै, अई सँ वैदेशिक रोजगारीपर निर्भर दशौं हजार नेपालीके परिवारके भन्सामे समेत असर पारतै ।

- समिक्षा बराल -

दैनिक पिसिआर परीक्षण



यद्यपि उपरका ग्राफसँ अन्तिम दू साप्ताहमे दैनिक पिसिआर परीक्षणके संख्या बढल देखेलाके बादो, परीक्षणके संख्यामे एकरूपता नै देखाईत छै । वितलाहा महिना, जुन २० मे ७००० के पिसिआर परीक्षण भेल छलै । जब कि, जुलाई २० मे मात्रै ८००० के पिसिआर परीक्षण भेल छै । अहि सँ कमजोर व्यवस्थापनके उजागर करैत छै । सरकार दैनिक १०,००० परीक्षण सेहो करल जा सकैत अछि से देखाबैत छै । तसर्थ, प्रयोगशालाके क्षमता अनुसार परीक्षण उपकरण आ नमुनाके तत्काल प्रयोगशालामे पुजाबके व्यवस्था केनाई जरुरी छै ।

स्रोत: HEOC, MoHP, SitRep

DISCLAIMER

एहि अंकमे समेटल गेल हल्ला, सवाल तथा सूचनासभ, बहुतरास संस्था तथा आदमी, नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय आ विश्व स्वास्थ्य संगठनके वेब पेज, सामाजिक सञ्जाल, ७ ठा प्रदेशमे रहल कम्युनिटी फ्रन्टलाईनर्स (समुदायमे आगु आबिक काज करवलासभ) आ सिमिक एक्सन टिम (नागरिक कार्य समूह) द्वारा अहि मई महिना भितर २००० सँ बेसी आदमीसंगेके बातचितसँ संकलन कएल गेल अछि । विषयके महत्व, सान्दर्भिकता आ तीव्रताके ध्यान दलक हल्ला, सवाल तथा जिज्ञासासभ चयन कएल गेल अछि । अई अंकमे समेटल गेल जानकारी बुलेटिन प्रकाशित भेल मितितक सत्य अछि ।

Coronavirus CivActs Campaign is brought to you by
Accountability Lab Nepal.



[f @CivicActionTeams](#)

[@civacts](#)

[@CivActs](#)